प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद पीलीभीत, उ0प्र0
2. मुख्य चिकित्साधिकारी/सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति,
   जनपद पीलीभीत,उ0प्र0

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/9514-2 दिनांकः 14.02.2020

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा 28–31 जनवरी, 2020 तक किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/7999-2 दिनांक 20-12-2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 28–31 जनवरी, 2020 तक जनपद पीलीभीत की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, वी0एच0एन0डी0 सत्रों एवं आर0बी0एस0के0 दल का सहयोगात्मक पवर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद में स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है। अतः आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, गोरखपुर, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, बरेली मण्डल को इस आशय से प्रेषित की चिकित्सा इकाईयों में सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेश्ति।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, पीलीभीत को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट/
मण्डलीय नोडल अधिकारी

Scanned by CamScanner

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपद : पीलीभीत **दिनांक :28–31 जनवरी 2020**

जनपद **पीलीभीत** की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् है–

क्रस	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1	**दिनांक 28.01.2020** **उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, सुहास सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, बरखेड़ा**	• हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर में बिजली पानी की व्यवस्था नहीं है। • शौचालय का उपयोग नहीं किया जा रहा है। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर हेतु नियत स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जनमानस को प्रदान की जा रही है। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है। • हेल्थ एण्ड वेलनेस पखवाडे के दौरान CBAC Formपर अंकन किया जाना है एवं उसके पश्चात NCD पोर्टल पर अद्युनांत किया जाना है। सम्बन्धित सी0एच0ओ0 द्वारा समय से NCD पोर्टल पर सूचनायें अद्युनांत नहीं की जा रही है। • हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर ई0डी0एल0 के अनुसार औषधियों की उपलब्धता नहीं पायी गयी। • हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर की जाने वाली निर्धारित 14 प्रकार की जाँचों हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता नहीं नहीं थी। • सी0एच0ओ0 को उक्त प्रकार की जाँचों के बारे में भी जानकारी नहीं थी। • हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर एन0सी0डी0 अभियान हेतु Microplan नहीं था। उक्त के साथ ही उपकेन्द्र पर MouthMirror, Spatula, LED Torch and IEC आदि भी उपलब्ध नहीं था।	• बिजली पानी की व्यवस्था सुनिष्चित कराने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत करा दिया गया है। • सी0एच0ओ0 श्री ज्ञानेन्द्र कुमार को दो कार्य दिवसों में समस्त CBAC form की Entry NCD portal पर करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त के साथ ही हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर से सम्बन्धित आशाओं को यथाशीघ्र CBAC form भरकर जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। • प्रभारी चिकित्साधिकारी को ई0डी0एल0 के अनुसार औषधियाँ उपलब्ध कराने एवं MouthMirror, Spatula, LED Torch and IEC आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	सी0एच0ओ0 / बी0सी0पी0एम0 / प्रभारी . चिकित्साधिकारी

क्रस	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	दिनांक 29.01.2020 ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, ग्राम, पिपरिया बाजार **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–न्यूरिया**	सत्र का आयोजन उपकेन्द्र पर किया जा रहा था। आई0ई0सी0 पोस्टर आदि का उचित प्रबन्धन नहीं दिखा। **ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस** सम्बन्धी बैनर स्थल पर नहीं था। उसकी जगह टीकाकरण एवं सुपोषण का बैनर लगे पाए गए। सत्र में उपस्थित आशा अपनी ड्रेस में थी	ए0एन0एम0 एव आशा द्वारा अवगत कराया गया कि उनका अभी तक बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
		उपकेन्द्र पर ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर समुदाय को प्रदान की जाने वाली दवाईयां आदि भी वहां रखी हुई थी। किन्तु बिखरी हुई थी। विटामिन ए का चम्मच	दल द्वारा दवाईयां एवं इंजेक्शन को अलग अलग रखने को कहा गया एवं दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई। विटामिन ए की खुराक प्रत्येक बच्चे को देने के	बी0सी0पी0एम0 / ए0एन0एम0

		खुले में ही रखा हुआ पाया गया।	उपरांत उसका चम्मच रूई से पोछने के बाद ही प्रयोग करने का सुझाव दिया गया। बी0सी0पी0एम0 को सत्रों का नियमित अनुश्रवण करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		टीकाकरण की ड्यू लिस्ट चेक की गई जो कि सही पाई गई।	राज्य स्तरीय दल द्वारा ए0एन0एम0 महोदया से लिस्ट के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए हमेशा लिस्ट अपडेट रखने हेतु सुझाव दिया गया।	बी0सी0पी0एम0 /ए0एन0एम0/आशाा
		उपकेन्द्र का शौचालय निरीक्षण के दौरान गंदा पाया गया। जो कि किसी क प्रयोग हेतु उपयुक्त नहीं लगा।	दल द्वारा यथानुसार शौचालय की नियमित सफाई कराने का सुझाव दिया गया जिससे सत्र मे आने वाले लाभार्थी आवश्यकतानुसार उपयोग कर सके।	बी0सी0पी0एम0 /ए0एन0एम0
		कंडोम बाक्स उपलब्ध कराया गया था, किन्तु अभी तक उसको लगाया नहीं गया था	दल द्वारा यथाशीघ्र उपकेन्द्र पर कंडोम बाक्स लगवाकर लाभार्थीयों को कंडोम उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया जिससे वह इस सुविधा का लाभ उठा सके।	बी0सी0पी0एम0/ए0एन0एम0
		सत्र में उपस्थित आशा द्वारा निर्धारित 431 सी बैक फार्म भरे नहीं गए थे।	दल द्वारा आशा को यथाशीघ्र फार्म भर कर सम्बन्धित को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	बी0सी0पी0एम0/आशा

क्र.	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, पिपरिया बाजार, पिपरिया कालोनी, खाग एव सिसाईयां **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–न्यूरिया**	• सेन्टर नवनिर्मित स्थापित हुआ है। • सेन्टर पर प्रचार प्रसार सम्बन्धित सामग्री नहीं लगाई गयी है। • सेन्टर प्रभारी सी0एच0ओ0 निर्धारित ड्रेस (एप्रेन) में नहीं था तथा एप्रेन सेन्टर पर उपलब्ध भी नही था • सेन्टर में इश्यू की गई सामग्री खुले में ही पड़ी थी एवं खिड़की दरवाजे पर पर्दे भी नहीं पड़े थे। जबकि पर्दे वगैरह उनके पास उपलब्ध थे। • सी0एच0ओ0 को सेन्टर पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं एवं आवश्यक दवाई सूची (ई0डी0एल) के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी। • सेन्टर में निर्धारित चौदह में से 06 परीक्षण किए जा रहे है, जिसके बारे में पूर्ण जानकारी सी0एच0ओ0 को नहीं थी। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स उपलब्ध था किन्तु उसको अभी तक इंस्टाल नहीं किया गया था एवं न हीं उपयोगित किया गया था। • सेन्टर में शौचालय बना हुआ है किन्तु उपयोग करने की स्थिति में नहीं है। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक	दल द्वारा सेन्टर संचालक से स्वनिर्मित प्रचार प्रसार सम्बन्धित पोस्टर आदि सामग्री सेन्टर पर लगाने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाले लोग उसका लाभ उठा सके। सी0एच0ओ0 एप्रेन का उपयोग करने का सुझाव दिया गया। सी0एच0ओ0 को ई0डी0एल0 एवं 14 जाँचों के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया। दल द्वारा कण्डोम बाक्स यथाशीघ्र लगाने का सुझाव दिया गया जिससे सम्बन्धित लाभार्थियो को उसका लाभ मिल सके। बी0सी0पी0एम0/सी0एच0ओ0 को प्रधान से वार्ता कर सफाई हेतु सहयोग लेने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ सी0एच0ओ0

		रिपोर्टिंग नियमित रूप से नहीं की जा रही है। • हेल्थ एण्ड वेलनेस पखवाडे के दौरान CBAC Formपर अंकन किया जाना है एवं उसके पश्चात NCD पोर्टल पर अद्युनांत किया जाना है। सम्बन्धित सी0एच0ओ0 द्वारा समय से NCD पोर्टल पर सूचनायें अद्युनांत नहीं की जा रही है। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर हेतु नियत स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जनमानस को प्रदान नहीं की जा रही है तथा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध नहीं है। • हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर एन0सी0डी0 अभियान हेतु Microplan नहीं था। उक्त के साथ ही उपकेन्द्र पर MouthMirror, Spatula, LED Torch and IEC आदि भी उपलब्ध नहीं था।	सी0एच0ओ0 को दैनिक रिर्पोट एवं CBAC form को नियमित रूप से पोर्टल पर अंकित करने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा सम्बन्धित ब्लाक के चिकित्सालय में प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत कराते हुए आवश्यक दवाईयां एवं अन्य सामग्री सेन्टर हेतु इश्यू कराने का सुझाव दिया गया।	
	दिनांक 29.01.2020 **ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, ग्राम, मुडेला खुर्द** **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–न्यूरिया**	• सत्र का आयोजन आशा के घर पर किया जा रहा था। अधिक ठंड व बारिश होने के कारण लोगो की उपस्थिति न के बराबर थी। • **ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस** का बैनर स्थल पर नहीं था। उसकी जगह टीकाकरण एवं सुपोषण का बैनर लगे पाए गए। • सत्र में उपस्थित आशा अपनी ड्रेस में नहीं थी। • टीकाकरण की ड्यू लिस्ट चेक की गई जो कि सही पाई गई। • आशा का रजिस्टर अपडेट नहीं था तथा उसमें विशिष्ट परिवार सं0 दर्ज नहीं थी।	ए0एन0एम0 एव आशा द्वारा अवगत कराया गया कि उनको अभी तक बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। आशा को कार्यस्थल पर अपनी निर्धारित ड्रेस में रहने हेतु सुझाव दिया गया। दल द्वारा रजिस्टर अपडेट कर विशिष्ट परिवार संख्या दर्ज करने का सुझाव दिया गया जिससे समस्त सूचनाएं रजिस्टर में दिए गए कॉलम के अनुसार अंकित हो सके। साथ ही रजिस्टर के उचित रख–रखाव हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ए0 एन0एम0
क्र0	**चिकित्सा इकाई**	**अवलोकन बिन्दु**	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
	दिनांक 29.01.2020 **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, अमरिया**	दल द्वारा चिकित्सालय का भ्रमण किया गया जिसमें निम्न बिन्दु अवलोकित किये गये – एफ0पी0 पोर्टल पर इण्डेट की गई परिवार नियोजन सामग्री अपडेट नही थी, सामग्री की आपूर्ति की गई थी किन्तु उसको पोर्टल पर नही चढ़ाया गया था। फार्मासिस्ट के अवकाश पर होने के कारण पोर्टल अवलोकित नहीं किया जा सका। **<u>चिकित्सालय/ओ0पी0डी0 परिसर</u>** • साफ–सफाई नहीं थी। धूल	दल द्वारा एफ0पी0 पोर्टल पर आपूर्तित सामग्री अपडेट करने का सुझाव दिया गया तथा इस बारें में एफ.पी.एल.एम.आई.एस. मैनेजर को भी अवगत करा दिया गया है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स

		फैली हुई थी। • परिसर में बिल्डिंग की पुताई भी काफी पुरानी हो गई थी तथा दीवारों पर पान की थूक के निशान पड़े थे। • आई0ई0सी0 काफी पुरानी हो गई थी। समस्त गतिविधियों से सम्बन्धित प्रचार नहीं किया गया था। • परिसर मे कंडोम बाक्स लगा था किन्तु कंण्डोम भरे हुए नहीं थे। पूछने पर पता चला कि कण्डोम की आपूर्ति न हो पाने के कारण बाक्स में आवश्यकतानुसार नहीं भरा जा रहा है। • परिसर में लगे बिजली मीटर व तार खुले पड़े थे जिनसे किसी को भी खतरा हो सकता है। **<u>प्रसव कक्ष –</u>** • लेबर कक्ष की हालत दयनीय पाई गई। • कक्ष में दो टेबल के मध्य पार्टिशन था। कैलिस पैड पिचके हुए हालत में थे एवं ऐसे ही प्रसव हेतु उपयोग किए जा रहे थे। कैलिस पैड का महत्व तथा उसके उपयोग से सम्बन्धित जानकारी स्टाफ नर्स को नहीं थी। • स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि कैलिस पैड व अन्य आवश्यक सामग्री हेतु डिमांड की गई है, किन्तु उनके द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किया जा सका। • लेबर टेबल पर मैकेन्टॉश शीट पड़ी थी, जो कि फटी, गन्दी और बहुत पुरानी थी। उस शीट पर ही गर्भवती महिलाओं का ऐसे ही प्रसव किया जा रहा था। इससे संक्रमण का खतरा हो सकता है। • कक्ष में साधारण घड़ी ही लगी थी, जो कि सही प्रकार से कार्य नही कर रही थी। • कक्ष में रखा रेडियो वार्मर कार्य नही कर रहा था, दल को अवगत कराया गया कि इस बारे में शिकायत दर्ज की गई है, परन्तु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किया जा सका। • कक्ष में रखे प्रसव सम्बन्धी समस्त उपकरणों पर हल्की धूल जमी हुई थी तथा देखने से प्रतीत होता है कि उनको कई दिनों से उबाला/आटोक्लेव तक नही किया गया। • प्रसव रजिस्टर में ओवर वेट	प्रभारी चिकित्साधिकारी को साफ–सफाई कराने एवं आई0ई0सी0 की वाल राईटिंग कराने का सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए नियमित कण्डोम बाक्स में कण्डोम भरवाने का सुझाव दिया गया तथा उसके महत्व के बारे में बताते हुए नियमित रूप से भरे जाने हेतु सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा बिजली फीटिंग को ठीक कराने का सुझाव दिया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी को प्रसव कक्ष में पर्याप्त साफ–सफाई कराने का सुझाव दिया गया। उक्त के साथ ही स्टाफ नर्स को कैलिस पैड एवं मैकेन्टॉश शीट के उपयोग एवं आवश्यकता के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया। मैकेन्टॉश शीट को बदलने हेतु सुझाव दिया गया जिससे संक्रमण को रोका जा सके। प्रभारी चिकित्साधिकारी को डिजिटल घड़ी लगवाने का सुझाव दिया गया। स्टाफ नर्स को बताया गया कि उपकरणों पर धूल लगने से उपकरणों द्वारा संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स

		नवजात शिशुओं का रिकार्ड दर्ज किए गए है, किन्तु इन बच्चों को रिफर किया गया कि नहीं इस बारे मे नर्स मेंटर व स्टाफ नर्स से कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • रिकार्ड कीपिंग दयनीय स्थिति में थी। प्रत्येक माह होने वाले प्रसवों का कुल रिकार्ड उपलब्ध नहीं था एवं उनको नियमित तौर पर अपडेट नहीं किया जा रहा है। • इसी प्रकार पी0पी0आई0यू0सी0 डी0, में सूचनाएं विधिवत रूप से अंकित नहीं पाई गई। • अन्तरा रजिस्टर एवं रिकार्ड कीपिंग दयनीय स्थिति में पाया गया। जिन लाभार्थियों ने अन्तरा साधन अपनाया था एवं जो आशाएं उनको लेकर आई थी, उनका इंसेटिव रिकार्ड भी विधिवत रजिस्टर मे दर्ज नहीं पाया गया न हीं उनके हस्ताक्षर विधिवत अंकित थे। • प्रधानमंत्री मातृत्व योजना सम्बन्धी रजिस्टर उपलब्ध नही था। • पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था।	उपकरणों को साफ रखे। स्टाफनर्स को ओवर वेट बच्चों के बारे में बताया गया। ओवरवेट बच्चों को आवश्यकतानुसार जिला चिकित्सालय रेफर करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे उसकी विधिवत जाँच कराई जा सके। स्टाफनर्स को प्रसव रजिस्टर, पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रजिस्टर, अन्तरा एवं छाया आदि का रिकार्ड पूर्ण करने एवं नियमित तौर पर अद्युनांत करने एवं पार्टोग्राफ भरने हेतु सुझाव दिया गया।	
		<u>जे0एस0वाई वार्ड</u> • वार्ड में पर्याप्त सफाई नहीं थी तथा पुरानी बेडशीट बिछी थी। • लाभार्थीयों को प्रदान की जा रही जे0एस0एस0के0 डाईट से वह संतुष्ट दिखी व उनको नियमित खाना दिया जा रहा था। • जे0एस0एस0के0 डाईट का चार्ट कही प्रदर्शित नहीं था। **<u>फैमिली प्लानिंग</u>** • चिकित्सा इकाई में कोई फैमिली प्लानिंग काउंसलर की नियुक्ति नहीं हुई है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को साफ–सफाई कराने एवं साफ बेडशीट उपलब्ध कराने के साथ ही जे0एस0एस0के0 डाईट का चार्ट सम्बन्धी वाल राईटिंग कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0 /नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स
		<u>कोल्ड चैन</u> • चैन में रोजाना 3–4 घंटे पावर कट रहता है,जिसका प्रभाव चैन संचालन पर पड़ता हैं • कोल्ड चैन में ओपन वायल पालिसी अन्तर्गत थर्ड स्टेज की ओ0पी0वी0 रखी हुई थी। • आई0ई0सी0 का व्यपाक उपयोग किया गया है तथा कोल्ड चेन के संचालन सम्बन्धी जानकारी प्रदर्शित थी।	सम्बन्धित को टीकाकरण के बाद वापस आई वैक्सीन का वी0वी0एम0 देखकर उचित होने पर ही रखने हेतु सुझाव दिया गया। यदि वी0वी0एम0 खराब हो गया हो तो ऐसी बैक्सीन को अलग कर देना चाहिए।	
		<u>प्रयोगशाला</u> प्रयोगशाला में साफ सफाई नहीं पाई गई। लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था।	लैब टेक्नीशियन को पी0पी0ई0 का प्रयोग करने एवं लैब में साफ–सफाई रखने हेतु सुझाव दिया गया। उसे यह बताया गया कि पी0पी0ई0 उसके लिए क्यों आवश्यक है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /लैब टेक्नीशियन
		<u>102 एम्बूलेंस</u>	प्रभारी चिकित्साधिकारी को	प्रभारी

		परिसर में 102 एम्बूलेंस सं0 UP32 EG 1663 खड़ी थी, एम्बेलेंस चालक एवं क्लीनर के माध्यम से एम्बूलेंस की लॉग बुक व रिकार्ड चेक किया गया। किन्तु मरीज को लाने ले जाने वाले रजिस्टर का रिकार्ड वयवस्थित नहीं मिला।	नियमित तौर पर एम्बुलेन्स के प्रपत्रों की जाँच करने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
	दिनांक 30.01.2020 **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, शिवनगर** **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–पूरनपुर**	• प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर की ब्राडिंग की जा चुकी है। • आई0ई0सी0 के अन्तर्गत स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में वाल राईटिंग नहीं करायी गयी है। • प्रसव कक्ष मे कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। प्रसव टेबल में जंग लगी थी। मैकेन्टॉशीट फटी हुई थी। कैलिस पैड फूटा एवं पिचका हुआ था। निर्धारित डस्ट बिन नहीं थी। • लेबर रिकार्ड बुरी स्थिति में था। रजिस्टर में मांगी गई सूचनायें व्यवस्थित रूप से अंकित नहीं गई थी। • इन्डोर रजिस्टर की दशा खराब थी। भर्ती हुए एवं डिस्चार्ज हुए लाभार्थियों का रिकार्ड अव्यवस्थित तरीके से अंकित किया गया। • बिना भर्ती / डिस्चार्ज किए ही महिलाओं का प्रसव किया गया था, व स्टाफ नर्स के हस्ताक्षर भी थे, इसका कारण स्पष्ट नही किया जा सका। • प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर तैनात लैब असिस्टेंट के अवकाश पर होने के कारण लैब में जाँचों हेतु RNTCP अनुभाग के LT द्वारा जाँच कार्य कराया जा रहा है। जोकि केवल स्पुटम की जाँच कर रहा है। • प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर तैनात स्टाफ नर्स (एम0एच0सी0पी0) को एक सप्ताह से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पूरनपुर में तैनात किया गया है। जिसके कारण हेल्थ एण्ड वेलनेस से सम्बन्धित दैनिक रिर्पोटिंग पोर्टल पर नहीं हो पा रही है। • प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर केवल दो दिनों के लिये एम0बी0बी0एस0 चिकित्साधिकारी की तैनाती की गयी है।	उपस्थित आयुष चिकित्साधिकारी एवं स्टाफ नर्स को साफ मैकेन्टॉशीट एवं कैलिस पेड की उपयोगिता के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया। उक्त के साथ ही रजिस्टर एवं अन्य अभिलेखों की उपयोगिता तथा उसमें माँगी गयी सूचनाओं के विधिवत् अंकन के सम्बन्ध में भी अभिमुखीकृत किया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर कुल 63 जाँचे करायी जानी है। यदि लैब असिस्टेंट की तैनाती नहीं है अथवा वह अवकाश पर है तो हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर एवं रैपिड डायग्नोस्टिक किट के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर तैनात स्टाफ नर्स (एम0एच0सी0पी0) द्वारा यह जाँचें करायी जा सकती हैं। सामु0 स्वा0 केन्द्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत करा दिया गया है। उनको यह भी अवगत कराया गया कि स्टाफ नर्स (एम0एच0सी0पी0) को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर ही तैनात रखें। उक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में एम0बी0बी0एस0 चिकित्साधिकारियों की कमी के	

			कारण चयनित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर दो–दो दिन के लिए तैनात किया गया है।	
डा0 सी0पी0 सिंह – प्रभारी चिकित्साधिकारी			**राजीव– बी0सी0पी0एम0**	
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरनपुर	**ओ0पी0डी0 कक्ष** • चिकित्सा इकाई में आई0ई0सी0 का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया था जो कि काफी पुरानी हो गई थी। सम्बन्धित कार्यक्रम से जुडे पोस्टर लगे हुए दिखे। • लगभग सभी कार्यक्रम से सम्बन्धित जानकारियों का प्रचार प्रसार किया गया था। नसबन्दी क्षतिपूर्ति धनराशि के बारे में भी जानकारी जनमानस हेतु दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित की गई थी यथा फैमिली प्लानिंग इंडेमिनिटी स्कीम आदि। • परिसर के सभाकक्ष में एन0सी0डी0 कार्यक्रम पर आशाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा था, जिसमें अधिकांश आशायें अपनी निर्धारित ड्रेस में नहीं थी। **फैमिली प्लानिंग** • चिकित्सालय परिसर में आज महिला नसबन्दी कैम्प का आयोजन किया जा रहा था, जिसमें काफी महिलाएं आई हुई थी। • परिसर में नसबन्दी उपरांत रूकने वाली महिलाओं हेतु पर्याप्त बेड की व्यवस्था नहीं थी, अतः जमीन पर ही बेड की व्यवस्था की गई थी। • चिकित्सा इकाई में फैमिली प्लानिंग काउंसलर की नियुक्ति हुई है। जो कि अभी अपने मैटरलनल अवकाश के बाद ही कार्य पर वापस आई है। **प्रसव रिकार्ड कक्ष –** • प्रसव रजिस्टर में प्रत्येक माह होने वाले प्रसवों का कुल रिकार्ड उपलब्ध नहीं था एवं उनको नियमित तौर पर अपडेट नहीं किया जा रहा है। • चिकित्सालय से जिला स्तरीय चिकित्सालय को रेफर किये गये मरीजों एवं अधिक वजन वाले नवजातों के रेफरल का कोई रिकार्ड उपलब्ध नही था। • इसी प्रकार पी0पी0आई0यू0सी0 डी0, में सूचनाएं विधिवत रूप से	राज्य स्तरीय दल द्वारा किए गए आई0ई0सी0 व व्यापक प्रचार प्रसार की सराहना की गई एवं नई आई0ईसी0 कराने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा उपस्थित आशाओं को निर्धारित ड्रेस का महत्व बताते हुए सदैव अपनी ड्रेस में ही चिकित्सालय में आने का सुझाव दिया गयां दल द्वारा कैम्प हेतु व्यवस्थित रूप से नियेाजन कर आने वाली महिला लाभार्थियों को मानकानुसार सेवाएं देने का सुझाव दिया गया, जिससे कोई अव्यवस्था न हो। चूंकि चिकित्सालय परिसर काफी बड़ा है,अतः दल द्वारा उपलब्ध बजट का नियमानुसार उपयोग करते हुए चिकित्सालय के किसी अन्य हॉल में भी महिलाओं हेतु बेड की व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा काउंसलर से अपने कार्य के साथ साथ खाली पड़े कंडोम बाक्स में कंडोम की व्यवस्था स्वयं देखने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे बाक्स खाली न रहे। दल द्वारा आपत्ति दर्ज करते हुए नर्स मेंटर व स्टाफ नर्स से स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए समस्त रिकार्ड सही कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ स्टाफ नर्स/नर्स मेण्टर एवं अन्य सम्बन्धित स्टाफ

		अंकित नहीं पाई गई। • अन्तरा रजिस्टर में भी सूचनायें आधी–अधूरी अंकित की गयी थी। जिन लाभार्थियों ने अन्तरा साधन अपनाया था एवं जो आशाएं उनको लेकर आई थी, उनका इंसेटिव रिकार्ड भी विधिवत रूप से रजिस्टर मे दर्ज नहीं किया गया न हीं उनके हस्ताक्षर कराये थे। **<u>प्रसव कक्ष</u>** • प्रसव कक्ष अच्छी हालत में पाया गया। • कक्ष में दो टेबल के मध्य स्थाई पार्टिशन था। • कैलिस पैड सही हालत में फूले हुए थे एवं ऐसे ही प्रसव हेतु उपयोग किए जा रहे थे। कैलिस पैड का महत्व तथा उसके उपयोग से सम्बन्धित जानकारी स्टाफ नर्स को थी। • पर्याप्त साफ सफाई व प्रकाश की व्यवस्था थी। • कक्ष में डिजिटल घड़ी लगी थी, जो कि सही प्रकार से कार्य नही कर रही थी। • लेबर टेबल पर मैकेन्टॉ शीट साफ सुथरी पड़ी थी। • कक्ष में रखा के0एम0सी0 हेतु रखा रेडियो वार्मर कार्य कर रहा था। • कक्ष में रखे प्रसव सम्बन्धी समस्त उपकरणों पर लेबलिंग की गई थी तथा उनको वयवस्थित ढंग से रखा गया था। • कक्ष में मातृ स्वास्थ्य से सम्बन्धित आई0ई0सी व दिशा निर्देश उचित प्रकार से लगे हुए थे।	राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रसव कक्ष में समस्त टीम द्वारा किये गये कार्य की सराहना की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया।	
		<u>जे0एस0वाई वार्ड –</u> • वार्ड में महिला लाभार्थी भर्ती थी। वार्ड में प्रकाश की पर्याप्त कमी थी तथा सफाई का अभाव पाया गया। • संज्ञान में आया कि महिलाओं से प्रसव उपरांत पैसे लिए जा रहे है। • जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत दी जाने वाली डाईट का कही भी चार्ट नहीं लगा था। • वार्ड के बाहर ही एक महिला द्वारा जे0एस0वाई0 स्कीम के तहत प्रोत्साहन राशि न मिलने की शिकायत की गई। **<u>प्रयोगशााला</u>**	राज्य स्तरीय दल द्वारा सम्बन्धित को मानकानुसार प्रकाश की वयवस्था करने हेतु सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को सम्बन्धित स्टाफ के विरूद्व कार्यवाही करने हेतु सुझाव दिया गया। जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट बनाकर वार्ड व परिसर मे लगाने का सुझाव दिया गया जिससे पारदर्शिता बनी रहे।	

		• प्रयोगशाला में साफ सफाई नहीं पाई गई। • लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था। **<u>कोल्ड चैन</u>** • कोल्ड चैन परिसर में स्टाफ की गाड़िया खड़ी थी। • स्टाफ द्वारा यथाचित निर्धारित ड्रेस/एप्रेन उपयोग नहीं किया जा रहा है। • कोल्ड चेन में आई0एल0आर0 ठीक प्रकार से कार्य कर रही है, एवं कोल्ड चेन से सम्बन्धित गाईड लाईन प्रदर्शित थी। • कोल्ड चेन में गाईड लाईन के अनुसार बैसीन रखे हुए थे। **<u>किशोर स्वास्थ्य</u>** चिकित्सालय में किशोर स्वास्थ्य कार्यकम की परामर्शदाता उपस्थित थी। किशोर स्वास्थ्य सम्बन्धी अभिलेखों में माँगी गयी सूचनायें विधिवत् अंकित नहीं की गयी थी। **<u>डाट्स केन्द्र</u>** प्रयोगशाला में व्यापक साफ सफाई नहीं पाई गई। स्लाईडे ऐसे खुले में पड़ी थी। लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था।	दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी तथा एकाउंटेट को बुलाकर उक्त प्रकरण का निस्तारण किया गया। लैब टेक्नीशियन को साफ–सफाई एवं पी0पी0ई0 का का महत्व बताया गया। दल द्वारा स्टाफ की गाड़ियाँ परिसर से हटवाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। स्टाफ द्वारा यथाचित निर्धारित ड्रेस/एप्रेन उपयोग करने का सुझाव दिया गया। कोन्ड चेन के कार्य के प्रति सुंतुष्टि जताते हुए यथा स्थित बनाए रखने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा कार्य का निरीक्षण करते हुए विजन चार्ट लगवाने एवं समस्त अभिलेखों को विधिवत् अंकित करने हेतु निर्देशित किया गया। लैब टेक्नीशियन को साफ–सफाई का महत्व बताया गया। पी0पी0ई0 के प्रयोग करने के लाभ एवं न प्रयोग करने से होने वाली स्वास्थ्य हानियों के विशाय में बताया गया। साथ ही स्लाईड को उचित प्रकार से निस्तारण हेतु सुझाव दिया गया।	

	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, ग्राम, नदहा, पुरनपुर	• सेन्टर प्रभारी सी0एच0ओ0 विक्रम निर्धारित ड्रेस (एप्रेन) में नहीं था तथा एप्रेन सेन्टर पर उपलब्ध भी नही था। • सेन्टर नवनिर्मित स्थापित हुआ है। • सेन्टर पर प्रचार प्रसार सम्बन्धित सामग्री सेन्टर में लगी हुई नहीं पाई गई। • सेन्टर में इश्यू की गई सामग्री अलमारी में ही पड़ी थी एवं खिड़की दरवाजे पर पर्दे भी नहीं पड़े थे। • सी0एच0ओ0 को सेन्टर पर प्रदान की जाने वाली आवश्यक दवाई सूची (ई0डी0एल) एवं समस्त जाँचों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी। दवाईयां उपलब्ध थी किन्तु सारी दवाईयां अलमारी के अंदर ही रखी हुई थी। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर उपलब्ध मेडिसिन स्टाक रजिस्टर व्यवस्थित रूप से भरा नही पाया गया। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स उपलब्ध था किन्तु उसको अभी तक इंस्टाल नहीं किया गया था। • सेन्टर में शौचालय बना हुआ है किन्तु उसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है।	सी0एच0ओ0 को एप्रेन पहनने, गैर संचारी रोगों से बचाव से सम्बन्धित प्रचार प्रसार सामग्री एवं पर्दे इत्यादि हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर लगाने हेतु निर्देशित किया गया। सी0एच0ओ0 को ईडी0एल0 एवं 14 जाँचों के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया। दल द्वारा कण्डोम बाक्स यथाशीघ्र लगाने का सुझाव दिया गया जिससे लाभार्थियो को उसका लाभ मिल सके। प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को शौचालय के सम्बन्ध में अवगत करा दिया गया है। बी0सी0पी0एम0 एवं सी0एच0ओ0 को प्रधान से वार्ता कर सफाई हेतु सहयोग लेने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / सी0एच0ओ0
	दिनांक 31.01.2020 **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरखेड़ा**	<u>चिकित्सालय / ओ0पी0डी0 परिसर</u> • आपातकालीन कक्ष में साफ सफाई थी। परन्तु उपयोग की गयी रूई एवं सिरिंज आदि जमीन पर पड़े हुए थे। • चिकित्सालय परिसर में साफ सफाई दिखी। • पर्याप्त आई.ई.सी का अभाव दिखा।	दल द्वारा रूई आदि हटवाकर निर्धारित डस्टबिन में रखवाया गया तथा भविष्य में इसी प्रकार दल द्वारा साफ सफाई की सराहना की गई एवं यथा स्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया। दल द्वारा कार्यक्रम / गतिविधिवार सम्बन्धित पोस्टर / दीवार लेखन कराने का सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि शीघ्र ही चिकित्सालय में पेंटिंग का कार्य कराया जायेगा।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / स्टाफ नर्स

		<u>प्रसव कक्ष –</u> ● कक्ष में दो टेबल के मध्य लकड़ी का पार्टिशन था। कैलिस पैड फूले हुए थे एवं प्रसव हेतु उपयोग किए जा रहे थे। कैलिस पैड का महत्व तथा उसके उपयोग के बारे में स्टाफ नर्स को जानकारी थी। ● कक्ष में साधारण घड़ी ही लगी थी, जो कि कार्य नही कर रही थी। ● कक्ष में रखा रेडियो वार्मर कार्य कर रहा था। ● कक्ष में रखे आटोक्लेव का उपयोग कैसे किया जाता है, नर्स मेंटर को इसकी जानकारी थी किन्तु स्टाफ नर्स को कुछ पता नही था। प्रतीत होता है कि नर्स मेंटर व स्टाफ नर्सो के बीच सामंजस्य नही है। ● प्रसव रजिस्टर अद्युनांत नहीं था। रजिस्टर में ओवर वेट नवजात शिशुओं के बारे में रिकार्ड दर्ज किए गए थे, किन्तु इन बच्चों को रेफर किया गया कि नहीं इस बारे मे नर्स मेंटर व स्टाफ नर्स से कोई संतोष जनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। ● पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा था। ● पी0पी0आई0यू0सी0डी0 एवं अन्तरा रजिस्टर में सूचनाएं विधिवत रूप से अद्युनांत नहीं की जा रही थी। जिन लाभार्थियों ने अन्तरा साधन अपनाया था एवं जो आशाएं उनको लेकर आई थी, उनका इंसेटिव रिकार्ड भी विधिवत अंकित नहीं किया गया एवं आशाओं के हस्ताक्षर भी नहीं कराये गये। ● प्रधानमंत्री मातृत्व योजना सम्बन्धी रिकार्ड ए0एन0सी रजिस्टर में भरा जा रहा था। **<u>जे0एस0वाई वार्ड –</u>** ● वार्ड में साफ– सफाई नहीं थी। ● भर्ती महिलाओं से फीड बैक लेने पर यह संज्ञान में आया कि महिलाओं से प्रसव उपरांत पैसे लिए जा रहे है। ● जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत दी जाने वाली डाईट का कही भी चार्ट नहीं लगा था।	नर्स मेंण्टर को निर्देशित किया गया कि वह प्रसव कक्ष एवं उससे जुडे अवयवों के बारे में समस्त स्टाफ नर्सेस को अभिमुखीकृत करें। प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को प्रसव कक्ष में डिजिटल घडी लगवाने का सुझाव दिया गया। प्रसव रजिस्टर को प्रसव के तुरन्त बाद ही अद्युनांत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त के साथ ही अधिक वजन का कारण जानने एवं तदानुसार स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय रेफर करने हेतु सुझाव दिया गया। स्टाफ नर्स एवं नर्स मेण्टर को पार्टोग्राफ की उपयोगिता बताते हुए पार्टोग्राफ भरने हेतु सुझाव दिया गया। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 एवं अन्तरा रजिस्टर में सूचनाए अद्युनांत करने हेतु स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी को सम्बन्धित स्टाफ के विरूद्व कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया। जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट बनाकर वार्ड व परिसर मे लगाने का सुझाव दिया गया जिससे पारदर्शिता बनी रहे।	

	आर0बी0एस0के0 टीम पर्यवेक्षण, स्थान– प्राथमिक विद्यालय, कवुलपुर, बरखेड़ा **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरखेड़ा**	• टीम द्वारा बी0सी0पी0एम एवं ब्लाक के साथ आर0बी0एस0के0 टीम का भ्रमण किया गया। • विद्यालय स्थल पर टीम–1, डा0, फार्मासिस्ट तथा स्टाफ नर्स उपस्थित थी। • विद्यालय में कुल 110 छात्र छात्राएं पंजीकृत है, जिसमें 70 उपस्थित थे। • टीम के पास आवश्यक उपकरण– बी0पी0 मशीन, स्टेथोस्कोप वजन मशीन,टार्च इत्यादि उपलब्ध थी एवं सही हालत में थे। • विद्यालय में, बच्चों की सामान्य जांच – लंबाई, वजन, आंख व दांत आदि की निर्धारित उपकरणो के माध्यम से जांच की जा रही थीं • दवाईयां बाक्स में रखी गई थी, जिसको चेक किया गया, कुछ दवाईयां जेा अगले माह एक्सपायरी होने वाली थी वह भी रखी मिली। • वार्षिक माइक्रोप्लान टीम के पास उपलब्ध था, एवं टीम प्लान के अनुसार विद्यालय का भ्रमण कर रही थी।	दल द्वारा स्टाफ नर्स का भी टीम के साथ अपने ड्रेस (एप्रेन) में ही विद्यालय का भ्रमण हेतु सुझाव दिया गया ,जिससे टीम की पहचान बन सके।। विद्यालय में उपस्थित अध्यापक श्री जसमिंद सिंह से चर्चानुसार, वह टीम के कार्य से संतुष्ट दिखे एवं बताया कि टीम नियमित उनके विद्यालय में बच्चों के उपचार हेतु आती है। • राज्य स्तरीय दल टीम को मानकनुसार, अगले माह एक्सपायर होने वाली दवाओं को अलग रखने एवं नियमित रूप से दवाई चेक करते रहने हेतु सुझाव दिया गया। • आर0बी0एस0के0 टीम को बच्चों को नियमित हैण्ड वॉश हेतु अभिमुखीकृत करने का सुझाव दिया गया, जिससे वह स्वास्थ्य और स्वच्छता का महत्व समझ सकें।	बी0सी0पी0एम0 / बी0पी0एम0 /आर0बी0एस0के0 टीम

<u>जनपद स्तर पर सी0एच0ओ0 एवं बी0सी0पी0एम0 की बैठक</u>

- दिनांक 30.01.2020 को जनपद में कार्यरत समस्त सी0एच0ओ एवं बी0सी0पी0एम0 की बैठक की गयी।
- बैठक में प्रदेश में एन0सी0डी0 अभियान, जोकि दिनांक 15.01.2020 से प्रारम्भ होकर दिनांक 15.02.2020 तक संचालित किया जा रहा है के बारे विस्तार से चर्चा की गयी। समस्त सी0एच0ओ0 को निर्देशित किया गया कि वह एन0सी0डी0 पोर्टल पर प्रतिदिन रिपोर्ट अपडेट करें। उक्त के साथ ही अभियान के दिनों में समस्त CBAC form एवं की जाने वाली स्क्रीनिंग को एन0सी0डी0 पोर्टल पर प्रतिदिन अपडेट करें।
- बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर स्टाफ नर्स (एम0एच0सी0पी0) द्वारा प्रतिदिन एन0सी0डी0 पोर्टल पर रिर्पोट अपडेट की जानी है।
- बैठक में सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि उनको पी0बी0आई0 नहीं मिल रहा है।
- समस्त सी0एच0ओ0 को अपने हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर पर साफ–सफाई रखने, आई0ई0सी0 का प्रयोग करने एवं सम्बन्धित ग्राम सभा में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के सम्बन्ध में जागरूकता तथा प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया।
- सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि मरीजों के जांच हेतु आवश्यक उपकरण नहीं मिले हैं जिसके बिना कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है।

<u>अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ बैठक</u>

जनपद में भ्रमण एवं सी0एच0ओ0 की बैठक में आये बिन्दुओं के सदंर्भ में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय के साथ दिनांक 3.01.2020 को बैठक की गयी। बैठक में स्वास्थ्य इकाईयों में पायी गयी कमियों एवं सी0एच0ओ0 की समस्याओं से अवगत कराया गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा चिकित्सा इकाईयो की कमियों एवं सी0एच0ओ0 की समस्याओं का यथाशीध्र निराकरण करने का आश्वासन दिया गया।